rising—the wholesale prices have come down a little only—may I know what are the reasons which impelled the Government to direct the Reserve Bank to increase the margin of advances against foodstuffs which is against the policy that was laid down last year?

Shri Nanda: Yes, Sir. That policy was in operation for a considerable period and it has had good effect. Then it was considered that the general requirements of the market necessitated a certain relaxation. That is a policy which has been operated in an elastic and flexible manner.

Shri Hem Barua: In view of the fact that the statement shows that an increase in prices was registered during the initial months of this year 1962 in certain commodities like food articles and cotton textiles and as against that the hon. Finance Minister said in his speech on the interim budget that the price rise has been completely arrested, may I know how these two statements do agree and whether there is no liaison between the Planning Ministry and the Finance Ministry over this question?

Shri Nanda: It is a question of properly understanding what has been stated. I have given the figures, and they are well known. During this period, that is to say, since the start of the Third Plan, the wholesale prices have declined somewhat. It is also a fact that during the earlier part there was some rise which has now been offset by a decline. I do share the hon. Member's anxiety, and I think we cannot be complacent about these prices, particularly the retail prices, which go into the consumers' cost of living index. Though the cost of living index has stood steady since August and there have been no rises—of course, there was some rise earlier—I think we have to be very watchful and careful about the consumer prices.

Shri Harish Chandra Mathur: This question regarding the holding of the price line is not settled unless and until the Government tell us as to what level they went to hold the price line. The prices are rising from month to month and year to year and all the time we are talking of holding the price line. Where do we want to hold the price line?

Shri Nanda: As to the level at which the prices have to be held, it has been laid down in the document relating to price policy. We do believe that even as it is the prices are high. So, we cannot tolerate any further rise in price, particularly in respect of essential commodities consumed by the masses. Therefore, any rise above that level is not proper.

Mr. Speaker: Next question.

Shri Tyagi: Since it is a very important question I request you to give a little more time for it.

Mr. Speaker: That is why I have spent about 7 minutes on this question. If hon. Members want the whole question hour to be spent on this question then, of course, it is different matter. Otherwise, how can I give time to other questions? Now, next question.

छंटनी किये गये अनुसूचित जाति के कर्मचारी

*१३६. **श्री बाल्मीकी** : क्या **निर्माण, आवास और संभरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूतपूर्व पुनर्वास मंत्रालय के कितने अनुसूचित जाति के कर्मचारियों (तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी) की मार्च, १९६२ तक छंटनी की गई ; और

(ख) इनको अन्य विभागों में पुनः नियुक्त करने के लिये क्या कार्यवाही की गई ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख). जानकारी एकत्रित की जा रही है और उपलब्ध होने पर सभा की मेज पर रख दी जायेगी ।

I shall also read the answer in English.

(a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

श्री वाल्मीकी : क्या इस से यह प्रतीत नहीं होता कि जो हमारे अनुसूचित जातियों के कर्मचारी इस मंत्रालय में हैं, जिस का वर्क्स, हाउसिंग और सप्लाई मिनिस्ट्री में विलय हो गया है, उनको काम पर लगाने के लिये बहुत मन्द गति से ध्यान दिया जा रहा है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : पहली बात तो यह है कि मिनिस्ट्री कायम है, खत्म नहीं हुई है। नई मिनिस्ट्री के दो डिपार्टमेंट्स हैं, एक वर्क्स, हाउसिंग और सप्लाई और दूसरा रिहैबिलिटेशन। मेम्बर साहब ने ३१ मार्च तक के बारे में पूछा है, यानी पन्द्रह, बीस दिन पहले तक, कि इस मंत्रालय से, जो कि कलकत्ते में भी है, दंडकारण्य में भी है, दिल्ली में भी है, हिन्दुस्तान के हर हिस्से में है, कितने हरिजन भाई गये और कितनों को काम मिला। वह आंकड़े हम इकट्ठा कर रहे हैं। जैसे ही मिल जायेंगे, मैं दे दूंगा। लेकिन मैं अर्ज करता हूं कि उन के साथ हमारी पूरी हमदर्दी है। होम मिनिस्ट्री के खास कवायद हैं उन के लिये, और जहां तक हो सकता है, हम उन की सहायता करते हैं।

श्री वाल्मीकी : क्या कोई अधिकारी नियुक्त किये गये हैं इस काम को चलाने के लिये ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मेरे मंत्रालय के ऐडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्टमेंट के डिप्टी सेक्रेटरी हैं जो कि इस को देखते रहते हैं। पुरानी बात है।

श्री बूटा सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि इन आंकड़ों को एकत्र करने में कितने महीने लगेंगे ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : महीनों का सवाल नहीं है। अगर दो, चार महीने पहले के बारे में पूछा जाता तो मैं अभी दे देता। लेकिन आप ३१ मार्च, तक के बारे में पूछ रहे हैं और आज सिर्फ २४ अप्रैल, है। तमाम हिन्दुस्तान से आंकड़े इकट्ठे करने हैं। हम गलत बात तो बतला नहीं सकते। लेकिन बहुत जल्दी दे देंगे।

श्री प्रिय गुप्त : इन लोगों को डिस्चार्ज करने से पहले सर्प्लस लोगों की लिस्ट को क्या दूसरी मिनिस्ट्रीज में सर्कुलेट किया गया कि उन लोगों को ऐबजार्ब करने की कितनी गुंजाइश है ?

श्री मेहरचन्द खन्ना : मैं इस सवाल में बहुत दफे अर्ज कर चुका हूं कि जहां तक इन कर्मचारियों का ताल्लुक है, जो कि उस आर्जी मिनिस्ट्री में हैं जिस का काम खत्म हो रहा है, उन के लिये हमारा एक स्पेशल सेल है। होम मिनिस्ट्री उन में दिलचस्पी ले रही है, लेबर मिनिस्ट्री भी दिलचस्पी ले रही है, और बहुत से भाई जो वहां से गये हैं उन को नौकरियां दे दी गई हैं। बहुत कम ऐसे लोग हैं जिन को हम नौकरियां नहीं दे सके।

Indian Tobacco for Russia

+
*140. { Shri Warior:
Shri Vasudevan Nair:

Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether a new trade agreement had been concluded with the Soviet Union for purchasing more Indian tobacco this year; and

(b) if so, the quality agreed upon and the price?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): (a) Tobacco is included in the existing Trade Agreement with Soviet Union in pursuance of which the Russian Trade Representatives and Techno experts make purchases from the trade